



माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर (पुर्वारका, सहारनपुर, उ०प्र०, पिन-247120)



Website- msuniversity.ac.in

E-mail ID - nss@msuniversity.ac.in

पत्रांक : 259 / 09 / एन.एस.एस. / एम.एस.यू. / 2025-26

दिनांक: 05/06/2025

सेवा में,

प्राचार्य/प्राचार्या,
समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय/संस्थान,
राष्ट्रीय सेवा योजना,
माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय सहारनपुर।

2- कुलसचिव, ग्लोकल विश्वविद्यालय, मिर्जापुर, सहारनपुर।

विषय:- 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर 'एक पेड़ माँ के नाम' 2.0 अभियान के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

कृपया उपर्युक्त विषयक विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी, उच्च शिक्षा (राष्ट्रीय सेवा योजना कोषक) विभाग के पत्र सं०-234/सत्तर-रा०से०यो०को०-2025, दिनांक 05.06.2025 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर दिनांक 05.06.2025 से 30.06.2025 तक 'एक पेड़ माँ के नाम' 2.0 अभियान के अन्तर्गत वृहद् स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किये जाने एवं आयोजित सभी गतिविधियों को रिकार्ड (दस्तावेजीकरण) करते हुए वेबसाइट Meri Life E-portal (<https://merilife.nic.in>) पर अपलोड किये जाने की अपेक्षा की गयी है।

अतः इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त सन्दर्भित पत्र दिनांक 05.06.2025 के अनुपालन में आवश्यक कार्यवाही कराते हुए माँय भारत पोर्टल (Create Event) पर अपलोड किया जाना है तथा कार्यक्रम/गतिविधियों की आख्या/रिपोर्ट इस कार्यालय ई-मेल nss@msuniversity.ac.in पर प्रतिदिन सायं 04:00 बजे तक प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय

(डा० राम कुमार)
कार्यक्रम समन्वयक
राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी, रा०से०यो०, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
2. कुलपति कार्यालय को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
3. कुलसचिव कार्यालय को कुलसचिव जी के सूचनार्थ।
4. गार्ड फाईल।

कार्यक्रम समन्वयक
राष्ट्रीय सेवा योजना



प्रेषक,

डॉ० मंजू सिंह,
विशेष कार्याधिकारी एवं
राज्य सम्पर्क अधिकारी,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

- 1- कार्यक्रम समन्वयक,
एन0एस0एस0 से सम्बन्धित समस्त विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश।
- 2- उप शिक्षा निदेशक, (माध्यमिक) मण्डल
एन0एस0एस0 से सम्बन्धित समस्त मण्डल, उत्तर प्रदेश।

उच्च शिक्षा (राष्ट्रीय सेवा योजना कोषक) विभाग

लखनऊ: दिनांक 05 जून, 2025

विषय:- विश्व पर्यावरण दिवस एक पेड़ मों के नाम 2.0 अभियान के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय, नई दिल्ली के पत्र P-32-I/NSS/DTE/2024/1838-1854 दिनांक 04 जून, 2025 एवं भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, युवा कार्यक्रम विभाग, रा.से.यो. क्षेत्रीय निदेशालय, लखनऊ के पत्रांक-15-1/रासेयो/क्षेनि/लख/2025-26/3609-3681 दिनांक 05 जून, 2025 (छाया प्रति संलग्न) का सन्दर्भ ग्रहण करें, जिसके माध्यम से समस्त कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना से संबंधित विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश एवं उप शिक्षा निदेशक, (माध्यमिक) मण्डल एन0एस0एस0 से सम्बन्धित समस्त मण्डल, उत्तर प्रदेश द्वारा उक्त पत्र में दिये गये दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाली समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के माध्यम से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिनांक 05.06.2025 से 30.06.2025 तक एक पेड़ मों के नाम 2.0 अभियान के अन्तर्गत वृहद स्तर पर वृक्षारोपण के अन्तर्गत किया जाना है साथ ही आयोजित सभी गतिविधियों को रिकार्ड (दस्तावेजीकरण) किया जाना है और वेबसाइट MeriLiFEportal (<https://merilife.nic.in>) पर अपलोड किया जाना है।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि समस्त कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना से संबंधित विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश एवं उप शिक्षा निदेशक, (माध्यमिक) मण्डल एन0एस0एस0 से सम्बन्धित समस्त मण्डल, उत्तर प्रदेश द्वारा अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाली समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के माध्यम से वृहद स्तर पर वृक्षारोपण करते हुए "एक पेड़ मों के नाम" 2.0 अभियान आयोजित किया जाना सुनिश्चित करें। उक्त अभियान को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर प्रचारित-प्रसारित करें तथा आयोजित कार्यक्रम को My Bharat Portal (Creat Event) पर भी अपलोड अवश्य करायें। इसी क्रम में कार्यक्रम/गतिविधियों की रिपोर्ट/आख्या संलग्न प्रपत्र एकसेल शीट में फोटोग्राफ सहित भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, लखनऊ के ई-मेल- nssrclucknow@gmail.com एवं शासन के ई-मेल-upsno.luck@gmail.com पर प्रतिदिन सायं 4:00 बजे तक प्रेषित करें।

संलग्नक: यथोक्त।

श्री उमेश कुमार
आ.स.यो.
31/6/25

भुवदीय
31/6/25

(डॉ० मंजू सिंह)
विशेष कार्याधिकारी एवं
राज्य सम्पर्क अधिकारी।

श्री मंजू सिंह
31/6/25

संख्या-234 / सत्तर-रा0से0यो0को0-2025-तददिनांक।

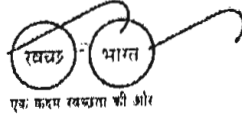
- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- (1) निजी सचिव, प्रमुख सचिव को प्रमुख सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
 - (2) निजी सचिव, विशेष सचिव को विशेष सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
 - (3) निदेशक, भारत सरकार, राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय, नई दिल्ली।
 - (4) निदेशक, उच्च शिक्षा, उ0प्र0, प्रयागराज।
 - (5) क्षेत्रीय निदेशक, भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, रा0से0यो0 क्षेत्रीय निदेशालय, हाल नं0-1 आठवां तल, केन्द्रीय भवन, सेक्टर-एच0, अलीगंज, लखनऊ।
 - (6) कुलसचिव, राष्ट्रीय सेवा योजना से संबंधित समस्त विश्वविद्यालय, उ0प्र0 को इस आशय से प्रेषित कि उक्त के सन्दर्भ में अपने स्तर से आवश्यक कार्यवाही करें।

आज्ञा से,

(डॉ० मजू सिंह)

विशेष कार्याधिकारी एवं
राज्य सम्पर्क अधिकारी।

8



राज्य शासन

भारत सरकार
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
युवा कार्यक्रम विभाग
राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय (यू.पी.-यू.के.), लखनऊ

सं०- 15-1/रा.से.यो./क्षे.नि./लख/2025-26/3601 ~ 3681

दिनांक: जून 05, 2025

सेवा में,

समस्त कार्यक्रम समन्वयक,
राष्ट्रीय सेवा योजना
उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड

विषय: विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के संदर्भ में।

महोदय/महोदया,

उपरोक्त विषयान्तर्गत भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, रा.से.यो. निदेशालय, नई दिल्ली से प्राप्त पत्र सं. P.32-1/NSS/DTE/2024/1838-1854 दिनांक 04 जून, 2025 (संलग्न) का संदर्भ ग्रहण करें। उक्त पत्र में दिये गये दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिनांक 05.06.2025 से 30.06.2025 तक एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के अन्तर्गत वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया जाना है साथ ही आयोजित सभी गतिविधियों को रिकार्ड (दस्तावेजीकरण) किया जाना है और वेबसाइट MeriLiFE portal (<https://merilife.nic.in>) पर अपलोड किया जाना है।


उपरोक्त के संदर्भ में आपसे अनुरोध है कि अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाली रा.से.यो. इकाइयों को वृहद स्तर पर वृक्षारोपण करते हुए 'एक पेड़ माँ के नाम' 2.0 अभियान चलाने हेतु निदेशित करने का कष्ट करें। उक्त अभियान को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर प्रचारित- प्रसारित करें तथा आयोजित कार्यक्रम को My Bharat Portal (Creat Event) पर भी अपलोड अवश्य कराएं। इसी क्रम में कार्यक्रम/गतिविधियों की रिपोर्ट/आख्या संलग्न प्रपत्र एक्सेल शीट में फोटोग्राफ्स सहित इस कार्यालय को प्रतिदिन सायं 04:00 बजे तक प्रेषित करने की कृपा करें।

संलग्नक: उक्तवत्

प्रतिलिपि:-

1. निदेशक, भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, रा.से.यो. निदेशालय, नई दिल्ली।
2. राज्य रा.से.यो. अधिकारी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड को इस आशय से प्रेषित कि वह उक्त संबंध में अपने स्तर से रा.से.यो. कार्यक्रम समन्वयकों को निदेशित करने का कष्ट करें।

केन्द्रीय भवन, आठवाँ तल, हाल नं० 1, सेक्टर-एच, अलीगंज, लखनऊ-226024, उत्तर प्रदेश
दूरभाष- 0522 2337066/4079533 ई-मेल-nssrc.lu-up@gov.in/nssrclucknow@gmail.com

भवदीय

(राजेश तिवारी)
युवा अधिकारी



Q-16017-41-2019-CPA
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST & CLIMATE CHANGE
(CP DIVISION)

2nd Floor, Jal Wing,
Indira Paryavaran Bhawan,
JorBagh, New Delhi -110003
Dated: 22nd May, 2025

OFFICE MEMORANDUM

Subject: Implementation of "Ek Ped Maa Ke Naam 2.0" Campaign on World Environment Day (05.06.2025) in 130 targeted cities under National Clean Air Programme (NCAP)- Reg.

The undersigned is directed to refer to D.O. letter No. 4-1/2025-NAEB dated 16th May 2025 from the Secretaries of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change; Department of School Education & Literacy, Department of Higher Education, Ministry of Education; Department of Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation, Ministry of Jal Shakti; Ministry of Road Transport & Highways; Ministry of Panchayati Raj; Ministry of Housing & Urban Affairs; and the Department of Rural Development, Ministry of Rural Development (**copy enclosed**), regarding the launch of the nationwide campaign "Ek Ped Maa Ke Naam 2.0" on the occasion of World Environment Day, 5th June 2025

2. The campaign is envisioned as a **'Whole of Government'** and **'Whole of Society'** initiative, promoting convergence across departments and sectors.
- 3 Under this campaign cities are requested to undertake extensive community plantation drives and integration of plantation goals into urban planning and beautification efforts, from **05.06.2025 to 30.09.2025**. **To undertake community plantation, cities are to involve schools**, colleges, other institutions of higher learning, Women Self Help Groups, AMRUT Mitra, Resident Welfare Associations (RWAs), Govt. offices, etc, aligning with the plantation season across agro-climatic zones.
4. Cities are required to ensure high survival percentage of saplings planted not only as part of last year's campaign but also the campaign to be undertaken this year. In this regard, Cities are also requested to undertake maintenance and survival monitoring through AMRUT Mitra initiative of AMRUT 2.0. All activities must be documented and uploaded on the **MeriLIFE portal** (<https://merilife.nic.in/>)."
5. Further, Cities are required to develop micro forests to increase the green cover in urban spaces during the campaign.



6. In view of the above, it is requested to furnish a **Detailed Action Plan** indicating the **total number of saplings** to be planted, and the **number of Miyawaki sites** proposed to be developed is to be submitted by the city in the format mentioned at **Annexure-I**, by **25th May 2025** on **PRANA portal**.

This issues with the approval of the Competent Authority.

Yours sincerely,

N. Subrahmanyam 22/5/25

(N. Subrahmanyam)

Additional Director/ Scientist 'E'

Ph: 011-20813233

E-mail: n.subrahmanyam@gov.in

(N. SUBRAHMANYAM)
इकाई 'ई' / Scientist 'E'
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
Min. of Environment, Forest and Climate Change
भारत सरकार, नई दिल्ली
Govt. of India, New Delhi

To,

- i. Chairperson, Commission for Air Quality Management in National Capital Region and Adjoining Areas
- ii. Chairman, Central Pollution Control Board
- iii. Addl. Chief Secretary/Principal Secretary/Secretary, Env. Dept., 24
- iv. Addl. Chief Secretary/Principal Secretary/Secretary, Municipal Administration/ Urban Dev. Dept., 24 States/UTs
- v. Chairman, 24 SPCBs/PCCs
- vi. Municipal Commissioners of 130 cities under NCAP

Copy to:

- i. Secretary, Ministry of Housing and Urban Affairs
- ii. Secretary, Ministry of Heavy Industries
- iii. Secretary, Ministry of Petroleum & Natural Gas
- iv. Secretary, Ministry of Road, Transport & Highways
- v. Secretary, Ministry of New & Renewable Energy
- vi. Secretary, Department of Youth Affairs
- vii. Director, NCAP
- viii. Member Secretary, CPCB
- ix. PSO to Secretary, EF&CC
- x. PPS to AS (NPG)
- xi. PPS to JS (NKS)





सत्यमेव जयते

Government of India

(Tanmay Kumar) Secretary Ministry of Environment, Forest and Climate Change	(Sanjay Kumar) Secretary Department of School Education & Literacy, Ministry of Education
(Vineet Joshi) Secretary Department of Higher Education Ministry of Education	(Debashree Mukherjee) Secretary Department of Water Resources, River Development and Ganga, Rejuvenation Ministry of Jal Shakti
(V. Umashankar) Secretary Ministry of Road Transport & Highways	(Vivek Bhardwaj) Secretary Ministry of Panchayati Raj
(Srinivas Katikithala) Secretary Ministry of Housing & Urban Affairs	(Shailesh Kumar Singh) Secretary Department of Rural Development Ministry of Rural Development

No. 4-1/2025 NAEB

May 16, 2025

Dear Advisor,

On the occasion of World Environment Day on 5th June 2024, Hon'ble Prime Minister launched the campaign "*Ek Ped Maa Ke Naam/ Plant4Mother*" by planting a sapling at Buddha Jayanti Park in New Delhi. This initiative, which encourages the citizens to plant a tree as a mark of love, respect and honour for their own Mother and Mother Earth,



सत्यमेव जयते

Government of India

(Tanmay Kumar) Secretary Ministry of Environment, Forest and Climate Change	(Sanjay Kumar) Secretary Department of School Education & Literacy, Ministry of Education
(Vineet Joshi) Secretary Department of Higher Education Ministry of Education	(Debashree Mukherjee) Secretary Department of Water Resources, River Development and Ganga, Rejuvenation Ministry of Jal Shakti
(V. Umashankar) Secretary Ministry of Road Transport & Highways	(Vivek Bhardwaj) Secretary Ministry of Panchayati Raj
(Srinivas Katikithala) Secretary Ministry of Housing & Urban Affairs	(Shailesh Kumar Singh) Secretary Department of Rural Development Ministry of Rural Development

No. 4-1/2025 NAEB
May 16, 2025

Dear Advisor,

On the occasion of World Environment Day on 5th June 2024, Hon'ble Prime Minister launched the campaign "*Ek Ped Maa Ke Naam/ Plant4Mother*" by planting a sapling at Buddha Jayanti Park in New Delhi. This initiative, which encourages the citizens to plant a tree as a mark of love, respect and honour for their own Mother and Mother Earth,

MissionLiFE, sustainable living and other environmental issues. The enthusiastic public response has reaffirmed and reinforced our collective commitment to environmental conservation and community participation. In furtherance of these objectives and building upon the momentum of last year's campaign, "Ek Ped maa Ke Naam 2.0" is being launched across the country on World Environment Day - 05.06.2025 as a nationwide movement.

2. The campaign is envisioned as a 'Whole of Government and 'Whole of Society' initiative with multi departmental and multisectoral coordinated and convergence approach and its success hinges critically on proactive leadership and coordinated action at the national, state and local levels.
3. The tree plantation drive under the campaign is scheduled to be implemented mainly by the schools across the country under the aegis of Eco Clubs for MissionLiFE from 05.06.2025 to 30.09.2025 coinciding with the plantation seasons across different agro-climatic regions of the country. Colleges, Universities and other institutions of higher learning will also be involved in this campaign. To ensure transparency and citizen engagement, all plantation activities will be documented as was done last year, through the MeriLiFE portal. (<https://merilife.nic.in/>). Necessary directions in this regard may be issued to all the Collectors, Departments, Institutions and Organisations in the State to ensure that the data regarding the plantation is uploaded on this portal. For plantations in schools, the data will be captured through a microsite on the Eco Clubs for MissionLiFE portal of Department of School Education & Literacy (DOSEL) and accordingly with the MeriLiFE portal (<https://merilife.nic.in/>) of MoEFCC.
4. Besides the plantation by the schools, it is proposed to carry out plantation by the State Forest Department and other Agencies under Ek Ped Maa Ke Naam 2.0 campaign as was done last year under Ek Ped Maa Ke Naam campaign launched by Hon'ble PM on the occasion of World Environment Day on 5th June, 2024 and to also upload the details of the same on MeriLiFE portal (<https://merilife.nic.in/>).
5. The proposed campaign also aims to align with key national programs such as MGNREGA, Jal Shakti Abhiyan, Swachh Bharat Mission, Smart Cities Mission, and the National Green Highways Mission. This convergence is expected to bring synergy in resource utilization, outreach, and on-ground impact besides active participation of line departments.
6. The current year's Jal Shakti Abhiyan: Catch The Rain-2025 (JSA:CTR-2025) campaign also focuses on undertaking plantation/afforestation in water catchment areas, recognizing their pivotal role in sustaining the hydrological cycle. This campaign emphasises carrying out plantation activities along water bodies, catchment areas, riverbanks, canal bunds, recharge zones, and around Amrit Sarovars to support water conservation, rejuvenation of traditional water bodies, and ecological restoration.

7. Indicative focus areas of the campaign in the States/UTs are listed below:

a. Proposed Sites for tree plantation:

- i. Plantations may be taken up with active involvement of students within and around school/college premises, degraded forest land or common lands as identified by the State/UT for this purpose.
- ii. Plantation activities may also be promoted at popular destinations, heritage sites, and pilgrimage centres across the State/UT. Along with this the integration of eco conscious messaging of the campaign theme on various digital platforms needs to be done with meticulous engagement of stakeholders for campaign outreach and successful plantation events.
- iii. In the urban areas this campaign may be promoted by identification of plantation sites, such as in parks, green belts, Nagar Van Areas and public spaces under the programs like Smart Cities, Atal Mission for Rejuvenation & Urban Transformation (AMRUT), National Urban Livelihood Mission (NULM) and Swachh Bharat Mission with the mobilisation of Urban Local Bodies (ULBs) to promote community plantation as part of Urban Planning and beautification drives.
- iv. Identified plantation sites along and on the medians of National Highways, State Highways, major district roads and other roadways may be identified for taking up and integrating plantation drives under ongoing infrastructure and green corridor projects.
- v. Plantation activities may be undertaken along water bodies, catchment areas, riverbanks, canal bunds, recharge zones, and around Amrit Sarovars to support water conservation, rejuvenation of traditional water bodies, and ecological restoration.

b. **Source of saplings:** Nurseries are developed and maintained by different Departments in the Districts under different Government programmes. The saplings for the campaign may be made available from the nurseries of the Forest Department as well as those of the Horticulture Department, Urban Local Bodies, Corporations etc. The respective nodal officials of the concerned departments may be contacted for providing saplings for the campaign.

c. **Social Media Campaign:** Integration of eco-conscious messaging of the campaign theme on various digital / social media platforms may be done with meticulous engagement of ~~various~~ ^{various} outreach and successful plantation events.

undertaken to organize

7. Indicative focus areas of the campaign in the States/UTs are listed below:

a. **Proposed Sites for tree plantation:**

- i. Plantations may be taken up with active involvement of students within and around school/college premises, degraded forest land or common lands as identified by the State/UT for this purpose.
- ii. Plantation activities may also be promoted at popular destinations, heritage sites, and pilgrimage centres across the State/UT. Along with this the integration of eco conscious messaging of the campaign theme on various digital platforms needs to be done with meticulous engagement of stakeholders for campaign outreach and successful plantation events.
- iii. In the urban areas this campaign may be promoted by identification of plantation sites, such as in parks, green belts, Nagar Van Areas and public spaces under the programs like Smart Cities, Atal Mission for Rejuvenation & Urban Transformation (AMRUT), National Urban Livelihood Mission (NULM) and Swachh Bharat Mission with the mobilisation of Urban Local Bodies (ULBs) to promote community plantation as part of Urban Planning and beautification drives.
- iv. Identified plantation sites along and on the medians of National Highways, State Highways, major district roads and other roadways may be identified for taking up and integrating plantation drives under ongoing infrastructure and green corridor projects.
- v. Plantation activities may be undertaken along water bodies, catchment areas, riverbanks, canal bunds, recharge zones, and around Amrit Sarovars to support water conservation, rejuvenation of traditional water bodies, and ecological restoration.

b. **Source of saplings:** Nurseries are developed and maintained by different Departments in the Districts under different Government programmes. The saplings for the campaign may be made available from the nurseries of the Forest Department as well as those of the Horticulture Department, Urban Local Bodies, Corporations etc. The respective nodal officials of the concerned departments may be contacted for providing saplings for the campaign.

c. **Social Media Campaign:** Integration of eco-conscious messaging of the campaign theme on various digital / social media platforms may be done with meticulous engagement of stakeholders for maximizing outreach and successful plantation events.

d. In urban areas, mobilization of Urban Local Bodies (ULBs) may be undertaken to organize community plantation drives and integration of plantation goals into urban planning and beautification efforts. Women Self Help Groups may be involved to undertake plantation activities, maintenance and survival monitoring through AMRUT Mitra initiative under

7. Indicative focus areas of the campaign in the States/UTs are listed below:

a. Proposed Sites for tree plantation:

- i. Plantations may be taken up with active involvement of students within and around school/college premises, degraded forest land or common lands as identified by the State/UT for this purpose.
- ii. Plantation activities may also be promoted at popular destinations, heritage sites, and pilgrimage centres across the State/UT. Along with this the integration of eco conscious messaging of the campaign theme on various digital platforms needs to be done with meticulous engagement of stakeholders for campaign outreach and successful plantation events.
- iii. In the urban areas this campaign may be promoted by identification of plantation sites, such as in parks, green belts, Nagar Van Areas and public spaces under the programs like Smart Cities, Atal Mission for Rejuvenation & Urban Transformation (AMRUT), National Urban Livelihood Mission (NULM) and Swachh Bharat Mission with the mobilisation of Urban Local Bodies (ULBs) to promote community plantation as part of Urban Planning and beautification drives.
- iv. Identified plantation sites along and on the medians of National Highways, State Highways, major district roads and other roadways may be identified for taking up and integrating plantation drives under ongoing infrastructure and green corridor projects.
- v. Plantation activities may be undertaken along water bodies, catchment areas, riverbanks, canal bunds, recharge zones, and around Amrit Sarovars to support water conservation, rejuvenation of traditional water bodies, and ecological restoration.

b. Source of saplings: Nurseries are developed and maintained by different Departments in the Districts under different Government programmes. The saplings for the campaign may be made available from the nurseries of the Forest Department as well as those of the Horticulture Department, Urban Local Bodies, Corporations etc. The respective nodal officials of the concerned departments may be contacted for providing saplings for the campaign.

c. Social Media Campaign: Integration of eco-conscious messaging of the campaign theme on various digital / social media platforms may be done with meticulous engagement of stakeholders for maximizing outreach and successful plantation events.

d. In urban areas, mobilization of Urban Local Bodies (ULBs) may be undertaken to organize community plantation drives and integration of plantation goals into urban planning and beautification efforts. Women Self Help Groups may be involved to undertake plantation activities, maintenance and survival monitoring through AMRUT Mitra initiative under

AMRUT 2.0 in convergence with NULM. Furthermore, Operation and Maintenance (O&M) projects related to waterbodies and urban parks may be taken up to mitigate urban heat island effect, enhance long term sustainability, ecological balance and community engagement. Micro forests (Miyawaki) technique (brief concept enclosed as **Annexure-I**) may be adopted to create micro-forests in Urban areas.

- e. In rural areas, Gram Panchayats may leverage MGNREGS and rural development schemes for land preparation, sapling planting, and maintenance, particularly in degraded lands along with plantation in vacant community lands and areas under their jurisdiction, within the overall framework of Mahatma Gandhi NREGA. In addition, the promotion of plantation activities along the river banks, around *Anril Sarovars*, canals, and water catchment areas to aid conservation and rejuvenation may be focussed upon by the relevant departments.
- f. Gram panchayats / Urban local bodies may be mobilised to play a proactive role in identifying community lands, carrying out plantations in coordination with schools, and ensuring long-term care and monitoring of saplings.

8. To facilitate effective coordination, we request you to designate a **State -level Nodal Officer** and set up a District Plantation Committee in each District under the chairpersonship of the District Collector/District Magistrate/Deputy Commissioner for smooth implementation and coordination across departments. Further, all relevant departments and field offices may be advised to align their efforts with the campaign objectives.

9. **Post Plantation Care/Survey:** It is extremely important to ensure high survival percentage of the saplings planted not only as part of last year's campaign but also the campaign to be undertaken this year. For this, your State/UT may devise a standardized protocol for maintenance of not only the saplings planted last year but also for those to be planted in the current year, and set up a system of regular review with all the concerned departments, alongside the campaign for this year. This may be carried out through the above-mentioned District Plantation Committee.

10. It is requested that a coordination meeting may be taken at your level with all the concerned officers and agencies for drawing up an Action Plan regarding efficient and effective implementation and monitoring of the *Ek Ped Maa ke Naam 2.0* campaign as well as to inter-alia arrive at the target of Micro forests (Miyawaki) plantation sites and the total number of saplings to be planted in each district within the State/UT in the rural and urban areas. The key elements of the proposed Action Plan is enclosed in the form of Google Sheet at **Annexure II**.

11. It is requested that the aforesaid detailed Action Plan including the information regarding total number of saplings to be planted by the school children and other agencies

and the number of Micro forests (Miyawaki) sites to be created within the State as part of the campaign may kindly be submitted by 25th May, 2025.

12. The nodal officer for the aforesaid campaign within the Ministry, Shri Kamal Jeet Singh, Deputy Inspector General of Forests (Mobile number: 8126682238; email id: bh210@ifs.nic.in) may be contacted for any clarification in this regard.

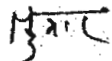
13. Through "Ek Ped Maa Ke Naam 2.0" we rededicate ourselves to the cause of not only sensitizing the younger generation to sustainable development but also making them active participants in greening mother earth. We are confident that under your dynamic leadership, "Ek Ped Maa Ke Naam 2.0" would be implemented successfully to not only honour the spirit of motherhood but to also reinforce our national commitment towards environmental protection and sustainability.

14. Looking forward to your active participation and cooperation in making the campaign a resounding success.


With regards,

Encls.: As above

Yours sincerely,


(Tanmay Kumar)
Secretary

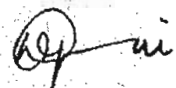
Ministry of Environment, Forest and
Climate Change


(Sanjay Kumar)
Secretary

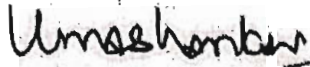
Department of School Education &
Literacy, Ministry of Education


(Vineet Joshi)
Secretary

Department of Higher Education
Ministry of Education


(Debashree Mukherjee)
Secretary

Department of Water Resources,
River Development and Ganga,
Rejuvenation Ministry of Jal Shakti



(V. Umashankar)

Secretary

Ministry of Road Transport &

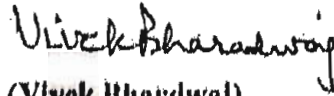
Highways



(Srinivas Katikithala)

Secretary

Ministry of Housing & Urban Affairs



(Vivek Bhardwaj)

Secretary

Ministry of Panchayati Raj



(Shailesh Kumar Singh)

Secretary

Department of Rural Development

Ministry of Rural Development

To

The Chief Secretaries of all States/UTs and Advisors to the Administrator of UTs

Concept Note

Creation of Micro-Forests (*Miyawaki*) in Urban Areas

1. Introduction

Micro Forests are to be promoted in small urban landscapes, to grow dense, fast-growing, native forests. This should be popularized to maximise flow of ecosystem services in the limited spaces available in our urban areas, to combat ill effects of rapid urbanization, pollution, and deforestation by restoring biodiversity and improving air quality.

2. Objectives

- a) Rejuvenate degraded urban land and improve ecological balance.
- b) Promote biodiversity by planting native species.
- c) Increase green cover in urban areas to combat heat islands.
- d) Encourage community participation in sustainable development.

3. Procedure and Methodology

- Site Selection of small or unused patches of land in urban, semi-urban, or rural areas.
- Surveying the local forest fragments and identifying the PNV (Potential Natural Vegetation) tree species that are best suited to the conditions.
- Determine the forest community structure i.e. identifying the main canopy and tree layer species and selecting companion species based on their compatibility with the key species. This is assessed by looking at local indigenous vegetation and analysis of forest structures elsewhere in the world.
- Soil Survey to be conducted to help decide on the type of mulch and soil nutrients required.
- Seeds to be collected from local trees to grow seedlings or obtain seedlings of local variants of tree species.
- Mulch made from local materials to be applied to protect and nourish the seedlings. This simulates the protection offered by humus/leaf litter in a natural forest. At the same time, the soil and the seedlings to be treated with soil improvers or a mycorrhizal improver.
- Planting of the seedlings randomly and at high density say 20,000 to 30,000 per hectare instead of 1,000 per hectare, or 3-5 saplings per square meter with stakes for support.
- Regular watering and keeping the site weed free for the first 2 years is a must after which the forest becomes self-sustaining.

4. **Benefits:** It leads to rapid forest growth (10x faster than conventional methods). It supports local wildlife and enhances carbon sequestration. It requires minimal space and long-term maintenance. It can be community-driven and suitable for CSR and government projects. Benefits are categorized below:
- a) **Environmental:** Increases oxygen production, reduces CO₂, improves air and water quality.
 - b) **Ecological:** Enhances biodiversity, restores local flora and fauna.
 - c) **Social:** Educates communities, especially youth, about sustainability and nature.
 - d) **Economic:** Low maintenance cost after initial years, potential for eco-tourism and urban resilience.
5. **Implementation in India:** Cities like Delhi, Mumbai, Bengaluru, Hyderabad, and Chennai have adopted this model through municipal corporations, NGOs, schools, and resident welfare associations. Support from CSR funds and government initiatives like Smart Cities Mission have been instrumental in creation of such micro forests in Urban areas.
6. **Best examples:** Two success stories of creation of similar forests in India are as below-
- a) **Govind Nagar, Vadodara:** In Govind Nagar, Gujarat, an encroached Area within the Vadodara Municipal Corporation Land has been reclaimed and turned into a Biodiversity Park through raising of micro forests. Here 29,000 multi species trees were planted on 26th October 2024 near the river but on rocky terrain.
 - b) **National Security Guard (NSG) Campus, Manesar:** The campus was earlier dominated by invasive Vilayati Kikar (*Prosopis juliflora*) leading to depletion of the ground water and hindered growth of native indigenous species. To address the issue, a "Rehabilitation Plan" was made which aimed to restore balance to the ecosystem by clearing the invasive Vilayati Kikar (*Prosopis juliflora*) from the selected sites and replacing it with beneficial native species to revitalize the land with indigenous plants that promote biodiversity and ecological health. In the selected site, an overall of 32,567 nos. of Native species plants and 20,000 nos. *Bambusa Balcooa* were planted and ultimately the treated site in the campus was turned into a green area with reclaimed biodiversity.
7. The nodal officer for the aforesaid matter within the Ministry, Shri Sachin Gupta, Assistant Inspector General of Forests (Mobile number: 9899237803; email id: ap224@ifs.nic.in) may be contacted for any clarification in this regard.

Annexure-11: Details of plantations to be taken up in the States and UTs under Ek Ped Ma Ka Naam 2.0

[illegible]

Please use the below-mentioned Link for the Google sheet created for providing details of plantations to be taken up:

https://docs.google.com/spreadsheets/d/1-gEqu3abO4pmldALUulqG_VwBCD87cqOazECDbx8jlw/edit?usp=drivesdk

Annexure I

Details of plantations to be taken up in the States and UTs under Ek Ped Ma ke Naam 2.0

Sl no.	Name of State and UTs	Name, Designation, Mobile No. and email id of the State Nodal Officer	Name of the District	Micro Forest (Miyawaki) Plantation				Regular Plantations (other than Miyawaki) (No. of seedlings)	
				Urban		Total		Urban	Total
				No of sites	No of seedlings	No of sites	No of seedlings		

